दिनांक 18 जुलाई 2019

स्वच्छ भारत अभियान स्वच्छ एवं सुंदर भिलाई

फाइल ट्रैकिंग के लिए क्यू आर कोड का किया जाएगा इस्तेमाल, पता चल सकेगा किसके पास है फाइल, अधिकारी कर्मचारियों को दिया गया प्रशिक्षण

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा डिजिटाइजेशन के क्षेत्र में आगे कदम बढ़ाते हुए क्यू आर कोड आधारित फाइल ट्रैकिंग सिस्टम की शुरुआत करने जा रहा है! जिसके लिए आज निगम सभागार में समस्त विभाग के कंप्यूटर ऑपरेटर एवं अधिकारी/कर्मचारियों को प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया! निगम भिलाई में प्रचलित नस्ती को ट्रैक करने के लिए एक क्यू आर कोड आधारित फाइल ट्रैकिंग सिस्टम तैयार किया गया है! इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से निगम की समस्त विभागों की फाइल की वर्तमान स्थिति को आसानी से पता लगाया जा सकता है!

इसके लिए अब से बनने वाली समस्त फाइलों में क्यू आर कोड का स्टीकर चिपकाकर फाइल ट्रैकिंग सॉफ्टवेयर में एंट्री किया जाएगा एवं ऑनलाइन डिस्पैच किया जा सकेगा जिससे फाइल की जानकारी और वर्तमान स्थिति को किसी भी अधिकारी/कर्मचारी एवं आम नागरिक द्वारा आसानी से एप एवं सॉफ्टवेयर के माध्यम से देखा जा सकेगा! विभागीय अधिकारियों के लिए यह तैयारी पूर्ण कर ली गई है जबकि आम जन के लिए तैयारी की जा रही है! इसके अतिरिक्त फाइल को पहचानने के लिए कि नस्ती किस जोन एवं विभाग का है इसके लिए विभिन्न जोन को फाइल का रंग प्रदाय किया गया है जोन क्रमांक 1 को हरा रंग, जोन क्रमांक 2 को गुलाबी, रंग जोन क्रमांक 3 को ग्रे रंग, जोन क्रमांक 4 को पीला रंग, जोन क्रमांक 5 को लाल रंग एवं जोन क्रमांक 6 को भूरा रंग, स्वास्थ्य विभाग को नीला रंग , सामान्य प्रशासन विभाग को सफेद रंग तथा योजना शाखा को संतरा रंग इसके अतिरिक्त मुख्य कार्यालय के अन्य विभाग को पर्पल रंग में फाइल प्रस्तुत करना होगा! महापौर एवं भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव तथा आयुक्त एसके सुंदरानी के संज्ञान में यह बात आई थी की फाइल प्रचलन नस्ती गुम हो जाती है या फिर कहीं ना कहीं पेंडिंग हो जाती है जिससे विभागीय कार्य के संचालन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है इसके साथ ही मेहनत से बनाई हुई नस्ती भी कहीं खो जाने की शिकायत प्राप्त होती रही है अब यह पता चल पाएगा कि फाइल कहां से गुम हुई है यह सब ऑनलाइन के माध्यम से देखा जा सकता है , विभागीय कार्यों में प्रगति लाने आदि कारणों से यह कार्य जरूरी हो गया था!

अभी यह केवल विभागीय अधिकारियों के लिए तैयार की गई है बाद में इसे आम जनता की सुविधा के लिए बनाने की तैयारी की जा रही है जिसमें आम जनता घर बैठे अपनी फाइल के संबंध में जानकारी ले सकते है कि वह फाइल किसके पास है , फाइल के लिए विभागीय कार्यों के चक्कर लगाने की आवश्यकता भी नहीं होगी , आने जाने में होने वाला व्यय की भी बचत होगी! प्रशिक्षण दिलीप कुर्वे, वेणु एवं योगेश ने दिया!

प्रशिक्षण में अधीक्षण अभियंता आरके साहू एवं सत्येंद्र सिंह , उपायुक्त अशोक द्विवेदी एवं टीपी लहरें , समस्त जोन आयुक्त, समस्त विभाग के कंप्यूटर ऑपरेटर सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे!

वाटर हार्वेस्टिंग अपनाना है